डिफेंस कॉरिडोर के लिए यूपीडा ने मांगी 400 हेक्टेयर और जमीन

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ के अलावा कानपुर और अलीगढ़ में भी अधिग्रहित होंगी जमीनें

उद्योगों की मांग पर कॉरिडोर का किया जा रहा विस्तार

लखनऊ। डिफेंस कॉरिडॉर प्रोजेक्ट का लखनऊ, कानपुर और अलीगढ़ जिलों में विस्तार किया जाएगा। इन जिलों में यूपीडा ने 400 हेक्टेयर जमीन की मांग की है। इससे करीब 20 फीसदी तक ज्यादा जमीनें रक्षा उत्पाद बनाने वाली कंपनियों को फैक्ट्री और रिसर्च सेंटर बनाने के लिए दी जा सकेंगीं। उद्योगों की मांग पर इसे विस्तार दिया गया है।

यूपीडा के ओएसडी (भूमि अर्जन) ओपी पाठक ने बताया कि वर्तमान में 1700 हेक्टेयर जमीन डिफेंस कॉरिडोर के लिए ली जानी थी। इसमें से 97 फीसदी जमीन का अधिग्रहण कर लिया गया है। मुआवजा बांटने की प्रक्रिया भी पूरी की जा रही है। इससे रक्षा उत्पाद बनाने वाली कंपनियों को भूखंड दिए जाने के लिए विकास कार्य शुरू कराए जा सकेंगे। अभी 400 हेक्टेयर जमीन की जरूरत और है। इसके लिए प्रस्ताव लखनऊ, अलीगढ़ और कानपुर में भेज दिए गए हैं। लखनऊ और अलीगढ़ में 100-100 हेक्टेयर जबकि कानपुर में 200 हेक्टेयर जमीन की मांग और की गई है।

अधिकारियों का कहना है कि यूपीडा छह जिलों में डिफेंस कॉरिडोर के नोड बना रहा है। इसमें लखनऊ, कानपुर, अलीगढ़ के अलावा चित्रकूट, झांसी और आगरा भी शामिल हैं। इन सभी जिलों में रक्षा उत्पाद बनाने के अलावा उनके लिए जरूरी शोध और विकास के काम भी होंगे। लखनऊ में भी ब्रह्मोस मिसाइल बनाने के लिए फैक्ट्री का निर्माण शुरू हो गया है। वहीं डीआरडीओ एक टेस्टिंग फेसिलिटी भी लखनऊ के ट्रांसपोर्टनगर मेट्रो स्टेशन के पास विकसित कर रहा है।

लखनऊ में जमीन की तलाश शुरू

एडीएम भू-अध्याप्ति-2 संदीप गुप्ता ने बताया कि यूपीडा की ओर से 100 हेक्टेयर जमीन की मांग की गई है। इसके लिए सभी पांच तहसीलों में जमीन की तलाश की जा रही है। सभी एसडीएम से रिपोर्ट देने के लिए कहा गया है, जिससे पता चल सके कि कहां जमीनों का अधिग्रहण किया जा सकता है। अभी लखनऊ में करीब 179 हेक्टेयर जमीन अधिग्रहित की गई है।